

कक्षा-12 रसायन विज्ञान

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में समय से विद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

इकाई 1 – ठोस अवस्था

विद्युतीय एवं चुम्बकीय गुण धातुओं का बैंड सिद्धान्त, चालक, अर्द्धचालक तथा कुचालक एवं n और p प्रकार के अर्द्धचालक।

इकाई 2 – विलयन

असामान्य आण्विक द्रव्यमान, वान्ट हाफ गुणांक।

इकाई 3 – वैद्युत रसायन

वैद्युत अपघटन के नियम (प्रारम्भिक विचार) शुष्क सेल, वैद्युत अपघटनी सेल और गैल्वनी सेल, सीसा संचायक सेल, ईंधन सेल, संक्षारण।

इकाई 4 – रासायनिक बलगतिकी

संघट्ट सिद्धान्त की अवधारणा (प्रारम्भिक परिचय, गणितीय विवेचना नहीं), सक्रियण ऊर्जा, आरहेनियस समीकरण।

इकाई 5 – पृष्ठ रसायन

उत्प्रेरक समांगी एवं विषमांगी, सक्रियता और चयनात्मकता, एन्जाइम, उत्प्रेरण, पायस-पायसों के प्रकार।

इकाई 6 – तत्वों के निष्कर्षण के सिद्धान्त एवं प्रक्रम-(पूरा अध्याय हटाया गया)

निष्कर्षण के सिद्धान्त एवं विधियाँ- सान्द्रण, ऑक्सीकरण, अपचयन, वैद्युत अपघटनी विधि और शोधन, एल्युमिनियम, कॉपर, जिंक और आयरन की उपलब्धता एवं निष्कर्षण के सिद्धान्त।

इकाई 7 – p-ब्लॉक के तत्व – (वर्ग 15, 16, 17, 18)

वर्ग 15 के तत्व- नाइट्रोजन के ऑक्साइड (केवल संरचना), फास्फोरस-अपरूप, फास्फोरस के यौगिक-फास्फीन, हैलाइडों (PCl_3 , PCl_5) का विरचन और गुणधर्म और ऑक्सोअम्लों का केवल प्रारम्भिक परिचय।

वर्ग 16 के तत्व-सल्फ्यूरिक अम्ल का औद्योगिक उत्पादन।

इकाई 8 – d और f ब्लॉक के तत्व

$K_2Cr_2O_7$ और $KMnO_4$ का विरचन, गुणधर्म।

लैन्थेनॉयड- रासायनिक अभिक्रियाशीलता

एक्टिनॉयड- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, ऑक्सीकरण अवस्थाएँ तथा लैन्थेनॉयड से तुलना।

इकाई 9 – उपसहसंयोजन यौगिक-

संरचना एवं त्रिविम समावयवता, धातुओं के निष्कर्षण, गुणात्मक विश्लेषण और जैविक निकायों में उपसहसंयोजन यौगिकों का महत्व।

इकाई 10 – हैलोएल्केन और हैलोएरीन, डाइक्लोरोमेथेन, ट्राइक्लोरोमेथेन, टेट्राक्लोरोमेथेन, आयडोफार्म, फ्रिऑन और डीओडीओटीओ के उपयोग और पर्यावरण पर प्रभाव।

इकाई 11 – ऐल्कोहॉल, फीनॉल और ईथर

मेथेनॉल एवं एथेनॉल के उपयोग।

इकाई 13 – नाइट्रोजन युक्त कार्बनिक यौगिक

सायनाइड और आइसोसायनाइड- उचित स्थानों पर संदर्भ में दिये जायेंगे। डाइऐजोनियम लवण- विरचन, रासायनिक अभिक्रियाएँ तथा कार्बनिक रसायन में इसका संश्लेषणात्मक महत्व।

इकाई 14 – जैव अणु

ओलिगोसैकेराइड (सुक्रोज, लैक्टोज, माल्टोज), पॉलिसैकेराइड (स्टार्च, सेल्युलोज, ग्लाइकोजन) महत्व। एन्जाइम, हारमोन- प्रारंभिक विचार(संरचना छोड़ कर) विटामिन- वर्गीकरण और प्रकार्य।

इकाई 15 – बहुलक-(पूरा अध्याय हटाया गया)

वर्गीकरण- प्राकृतिक और संश्लेषित, बहुलकन की विधियाँ (योग और संघनन), सहबहुलकन, कुछ महत्वपूर्ण बहुलक प्राकृतिक एवं संश्लेषित जैसे पॉलीथीन, नाइलॉन, पॉलिएस्टर, बैकेलाइट, रबड़। जैव अपघटनीय एवं अन अपघटनीय बहुलक।

इकाई 16 – दैनिक जीवन में रसायन—(पूरा अध्याय हटाया गया)

1. औषधियों में रसायन पीड़ाहारी, प्रशान्तक, पूर्तिरोधी, विसंक्रामी, प्रति सूक्ष्म जैविक, प्रतिजनन क्षमता औषधि, प्रतिजैविक, प्रतिअम्ल, प्रतिहिस्टैमिन।
2. खाद्य पदार्थों में रसायन परिरक्षक, संश्लेषित मधुरक। प्रति ऑक्सीकारकों का प्रारंभिक परिचय।
3. अपमार्जक साबुन, संश्लिष्ट अपमार्जक, निर्मलन क्रिया।

पाठ्यक्रम से हटाये गये प्रयोगों की सूची—

1—प्रयोगिक पाठ्यक्रम वाह्य परीक्षक।

(घ) सतह रसायन

- (1) एक द्रव स्नेही तथा द्रव विरोधी सॉल का निर्माण करना—
द्रव स्नेही सॉल— स्टार्च, गोंद तथा अण्डे की एल्ब्युमिन (जर्दी)
द्रव विरोधी सॉल— एल्युमीनियम हाइड्राक्साइड, फैरिक हाइड्राक्साइड, आर्सिनियम सल्फाइड।
- (2) उपर्युक्त तैयार की गई सॉल का अपोहन (डॉयलायसिस)
- (3) पायसीकारक पदार्थों का विभिन्न तेलों के पायसों पर स्थिरीकरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

2—आन्तरिक मूल्यांकन का पाठ्यक्रम।

(ख) कार्बनिक यौगिकों का विरचन—

निम्न में से कोई एक—

- (1) ऐसीटेनिलाइड
- (2) डाई बेन्जल ऐसीटोन
- (3) p-नाइट्रो ऐसीटेनिलाइड
- (4) ऐनीलीन ऐलो या 2-नेफथाऐनीलीन रंजक

(ग) रासायनिक बलगतिकी

- (1) सोडियम थायोसल्फेट तथा हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के मध्य अभिक्रिया दर पर ताप और सान्द्रण के प्रभाव का अध्ययन करना।
- (2) निम्न में से किसी एक अभिक्रिया की क्रिया दर का अध्ययन—
(i) आयोडाइड आयनों वाले विभिन्न सान्द्रण के विलयनों पर सामान्य तापक्रम पर हाइड्रोजन पराक्साइड की क्रिया का अध्ययन करना।
(ii) स्टार्च विलयन सूचक का उपयोग करते हुए सोडियम सल्फाइड (Na_2SO_3) तथा पोटेशियम आयोडेट (KIO_3) के मध्य क्रिया का अध्ययन करना।

(घ) ऊष्मीय रसायन—

निम्न में से कोई एक प्रयोग —

- (i) पोटेशियम नाइट्रेट अथवा कॉपर सल्फेट की विलेयता—ऐन्थेल्पी ज्ञात करना।

- (ii) प्रबल अम्ल (HCl) तथा प्रबल क्षार (NaOH) की उदासीनीकरण एन्थेल्पी ज्ञात करना।
 (iii) ऐसीटोन तथा क्लोरोफार्म के बीच हाइड्रोजन बंध निर्माण में एन्थेल्पी परिवर्तन का निर्धारण करना।

(घ) वैद्युत रसायन-

Zn/Zn²⁺//Cu²⁺/Cu में CuSO₄ or ZnSO₄ के विद्युत अपघट्य की सामान्य ताप पर सान्द्रण में परिवर्तन के साथ सेल के विभव में बदलाव का अध्ययन करना।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कक्षा-12 रसायन विज्ञान
प्रश्न पत्र बनाने की योजना

1.	बहुविकल्पीय क, ख, ग, घ, ङ, च	1×6	06
2.	क, ख, ग, घ (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)	2×4	08
3.	क, ख, ग, घ (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)	2×4	08
4.	क, ख, ग, घ (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)	3×4	12
5.	क, ख, ग, घ (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)	4×4	16
6.	क, ख (प्रत्येक प्रश्न 5 अंक)	5×2	10
7.	क, ख (प्रत्येक प्रश्न 5 अंक)	5×2	10
योग .			70

नोट:- (1) प्रश्न 6 व 7 में अथवा प्रश्न भी होंगे।

(2) कम से कम 8 अंक के आंकिक प्रश्न पूछे जाय

केवल प्रश्न पत्र

इकाई	शीर्षक	अंक
1	ठोस अवस्था	5
2	विलयन	7
3	वैद्युत रसायन	5
4	रासायनिक बलगतिकी	5
5	पृष्ठ रसायन	5
6	p-ब्लॉक के तत्व	7
7	d और f-ब्लॉक के तत्व	4
8	उपसहसंयोजक यौगिक	6
9	हैलोएल्केन और हैलोएरीन	5
10	एल्कोहॉल, फिनॉल और ईथर	5
11	एल्डिहाइड कीटोन, कार्बोक्सिलिक अम्ल	6
12	नाइट्रोजन युक्त कार्बन यौगिक	4

13	जैव अणु	6
	योग	70

नोट:— इसमें 70 अंकों का एक प्रश्न पत्र एवं 30 अंकों की प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। न्यूनतम उत्तीर्णांक 23+10=33 अंक

इकाई 1 – ठोस अवस्था 05 अंक

विभिन्न बंधन बलों के आधार पर ठोसों का वर्गीकरण—आण्विक, आयनिक, सह संयोजक और धात्विक ठोस, अक्रिस्टलीय और क्रिस्टलीय ठोस (प्रारम्भिक परिचय), द्विविमीय एवं त्रिविमीय क्रिस्टल जालक एवं एकक कोष्ठिकाएँ, संकुलन क्षमता, एकक कोष्ठिका के घनत्व का परिकलन, ठोसों में संकुलन, रिक्तियाँ, घनीय एकक कोष्ठिका में प्रति एकक कोष्ठिका परमाणुओं की संख्या, बिन्दु दोष।

इकाई 2 – विलयन 07 अंक

विलयनों के प्रकार, ठोसों के द्रवों में बने विलयन की सान्द्रता को व्यक्त करना, गैसों की द्रवों में विलेयता, ठोस विलयन, अणु संख्य गुणधर्म—वाष्प दाब का आपेक्षिक अवनमन, राउल्ट का नियम, क्वथनांक का उन्नयन, हिमांक का अवनमन, परासरण दाब, अणु संख्य गुणधर्मों द्वारा आण्विक द्रव्यमान ज्ञात करना।

इकाई 3 – वैद्युत रसायन 05 अंक

ऑक्सीकरण—अपचयन अभिक्रियाएँ, वैद्युत अपघटनी विलयनों का चालकत्व, विशिष्ट एवं मोलर चालकता, सान्द्रता के साथ चालकत्व में परिवर्तन, कोलराउश नियम, वैद्युत अपघटन और सेल का विद्युत् वाहक बल, मानक इलेक्ट्रोड विभव, नर्स्ट समीकरण और रासायनिक सेलों में इसका अनुप्रयोग, गिब्स मुक्त ऊर्जा और सेल के EMF में परिवर्तन के मध्य सम्बन्ध।

इकाई 4 – रासायनिक बलगतिकी 05 अंक

अभिक्रिया का वेग (औसत और तात्क्षणिक), अभिक्रिया वेग को प्रभावित करने वाले कारक—सान्द्रता, ताप, उत्प्रेरक, अभिक्रिया की कोटि और आण्विकता, वेग नियम और विशिष्ट दर स्थिरांक, समाकलित वेग समीकरण और अर्द्धआयु (केवल शून्य और प्रथम कोटि की अभिक्रियाओं के लिये)।

इकाई 5 – पृष्ठ रसायन 05 अंक

अधिशोषण—भौतिक अधिशोषण और रसावशोषण, ठोसों पर गैसों के अधिशोषण को प्रभावित करने वाले कारक, कोलायडी अवस्था, कोलॉयड, वास्तविक विलयन एवं निलम्बन में विभेद, द्रवरागी, द्रवविरागी, बहुआण्विक और वृहत् आण्विक कोलाइड, कोलाइडों के गुणधर्म, टिण्डल प्रभाव, ब्राउनीगति, वैद्युत्कण संचलन, स्कंदन।

इकाई 7 – p-ब्लॉक के तत्व – (वर्ग 15, 16, 17, 18) 07 अंक

वर्ग 15 के तत्व—सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, उपलब्धता, ऑक्सीकरण अवस्थायें, भौतिक और रासायनिक गुणों में प्रवृत्तियाँ, नाइट्रोजन—विरचन, गुणधर्म और उपयोग, नाइट्रोजन के यौगिक—अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विरचन तथा गुणधर्म।

वर्ग 16 के तत्व—सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, ऑक्सीकरण अवस्थायें, उपलब्धता, भौतिक और रासायनिक गुणों में प्रवृत्तियाँ, डाईआक्सीजन—विरचन, गुणधर्म और उपयोग, ऑक्साइडों का वर्गीकरण, ओजोन, सल्फर—अपरूप, सल्फर के यौगिक—सल्फर डाईआक्साइड का विरचन, गुणधर्म और उपयोग, सल्फ्यूरिक अम्ल—गुणधर्म और उपयोग, सल्फर के ऑक्सो—अम्ल (केवल संरचनायें)।

वर्ग 17 के तत्व—सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, ऑक्सीकरण अवस्थायें, उपलब्धता, भौतिक और रासायनिक गुणों में प्रवृत्तियाँ, हैलोजनों के यौगिक, क्लोरीन, और हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का विरचन, गुणधर्म और उपयोग, अंतराहैलोजन यौगिक, हैलोजनों के ऑक्सोअम्ल (केवल संरचनायें)।

वर्ग 18 के तत्व—सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, उपलब्धता, भौतिक और रासायनिक गुणधर्मों में प्रवृत्तियाँ, उपयोग।

इकाई 8 – d और f ब्लॉक के तत्व 04 अंक

सामान्य परिचय, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, संक्रमण धातुओं के अभिलक्षण और उपलब्धता, संक्रमण धातुओं की प्रथम श्रेणी के गुणधर्मों में सामान्य प्रवृत्तियाँ, धात्विक अभिलक्षण, आयनन एन्थैल्पी, ऑक्सीकरण अवस्थायें, आयनिक त्रिज्या, वर्ण, उत्प्रेरकीय गुण, चुम्बकीय गुणधर्म, अंतराकाशी यौगिक, मिश्रधातु बनाना।

लैन्थेनायड- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, ऑक्सीकरण अवस्थायें,, लैन्थेनायड आकुंचन और इसके प्रभाव।

इकाई 9 – उपसहसंयोजन यौगिक 06 अंक

उपसहसंयोजन यौगिक- परिचय, लिगेन्ड, उपसहसंयोजन संख्या, वर्ण, चुम्बकीय गुणधर्म और आकृतियाँ, एक नाभिकीय उपसह संयोजन यौगिकों का IUPAC पद्धति से नामकरण, आबंधन, वर्नर का सिद्धान्त, VBT और CFT।

इकाई 10 – हैलोएल्केन और हैलोएरीन 05 अंक

हैलोएल्केन- नाम पद्धति, C-X आबंध की प्रकृति, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं की क्रियाविधि, ध्रुवण घूर्णन।

हैलोएरीन- C-X आबंध की प्रकृति, प्रतिस्थापन अभिक्रियायें (केवल मोनो प्रतिस्थापित यौगिकों में हैलोजन का दैशिक प्रभाव)।

इकाई 11 – ऐल्कोहॉल, फीनॉल और ईथर 05 अंक

ऐल्कोहॉल- नाम पद्धति, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म (केवल प्राथमिक ऐल्कोहॉलों का) प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक ऐल्कोहॉलों की पहचान करना, निर्जलन की क्रियाविधि।

फीनॉल- नाम पद्धति, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, फीनॉल की अम्लीय प्रकृति, इलेक्ट्रॉनरागी प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं, फीनॉल के उपयोग।

ईथर- नाम पद्धति, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, उपयोग।

इकाई 12 – ऐल्डिहाइड, कीटोन कार्बोक्सिलिक अम्ल 06 अंक
ऐल्डिहाइड और कीटोन-

नाम पद्धति, कार्बोनिल समूह की प्रकृति, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, नाभिकरागी योगात्मक अभिक्रिया की क्रिया विधि, ऐल्डिहाइडों के ऐल्फा हाइड्रोजन की क्रियाशीलता, उपयोग।

कार्बोक्सिलिक अम्ल -

नाम पद्धति, अम्लीय प्रकृति, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, उपयोग।

इकाई 13 – नाइट्रोजन युक्त कार्बनिक यौगिक 04 अंक

ऐमीन- नाम पद्धति, वर्गीकरण, संरचना, विरचन की विधियाँ, भौतिक और रासायनिक गुणधर्म, उपयोग, प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक ऐमीनों की पहचान करना।

इकाई 14 – जैव अणु 06 अंक

कार्बोहाइड्रेट- वर्गीकरण (ऐल्डोज और कीटोज), मोनोसैकेराइड (ग्लूकोज और फ्रक्टोज), D-L विन्यास।
प्रोटीन- ऐमीनो अम्लों का प्रारम्भिक परिचय, पेप्टाइड आबंध, पॉलिपेप्टाइड, प्रोटीन, प्रोटीन की प्राथमिक संरचना, द्वितीयक संरचना, तृतीयक संरचना और चतुष्क संरचना (केवल गुणात्मक परिचय) प्रोटीनों का विकृतीकरण, न्यूक्लिक अम्ल- DNA और RNA।

प्रयोगात्मक परीक्षा

वाह्य मूल्यांकन

15 अंक

1.	गुणात्मक विश्लेषण(सरल लवण)	04 अंक
2.	आयतनमितीय विश्लेषण(सरल अनुमापन)	04 अंक
3.	विषयवस्तु आधारित प्रयोग	03 अंक
4.	मौखिक परीक्षा	04 अंक

	कुल योग	15 अंक
<u>आंतरिक मूल्यांकन</u>		15 अंक
1.	प्रोजेक्ट एवं मौखिकी	08 अंक
2.	कक्षा रिकार्ड	04 अंक
3.	विषयवस्तु आधारित प्रयोग	03 अंक
	कुल योग	15 अंक

व्यक्तिगत छात्रों के लिए रिकार्ड के स्थान पर 04 अंक मौखिकी के होंगे।

प्रायोगिक पाठ्यक्रम वाह्य परीक्षक

1. गुणात्मक विश्लेषण –

दिये गये अकार्बनिक मिश्रण में एक धनायन तथा एक ऋणायन का परीक्षण करना—

धनायन – (क्षारकीय मूलक) & Pb^{2+} , Cu^{2+} , As^{3+} , Al^{3+} , Fe^{3+} , Mn^{2+} , Ni^{2+} , Zn^{2+} , Co^{2+} ,
 Ca^{2+} , Sr^{2+} , Ba^{2+} , Mg^{2+} , NH_4^+

ऋणायन – (अम्लीय मूलक) –

CO_3^{2-} , S^{2-} , SO_3^{2-} , SO_4^{2-} , NO_2^- , NO_3^- , Cl^- , Br^- , I^- , PO_4^{3-} , $C_2O_4^{2-}$, CH_3COO^-
(अविलेय लवण न दिये जायें)

2. आयतनमितीय विश्लेषण—

निम्न मानक विलयनों के विरुद्ध पोटेशियम परमेगनेट विलयन का अनुमापन कर इसकी सान्द्रण/मोलरता ज्ञात करना (छात्रों से मानक विलयन स्वयं पदार्थ तुलवाकर बनवाया जाये)

(अ) आक्सेलिक अम्ल

(ब) फेरस अमोनियम सल्फेट

3. विषयवस्तु आधारित प्रयोग—

(क) क्रोमेटोग्राफी—

(1) पेपर क्रोमेटोग्राफी द्वारा पत्तियों एवं फूलों के रस से रंगीन-कणों (पिगमेन्ट्स) को अलग करना तथा Rf मान ज्ञात करना।

(2) दो धनायनों वाले अकार्बनिक मिश्रण से घटकों को पृथक करना (कृपया इस हेतु Rf मानों में पर्याप्त भिन्नता वाले घटक मिश्रण दिये जायें)

(ख) कार्बनिक यौगिकों में उपस्थित क्रियात्मक समूह का परीक्षण करना—

असंतृप्ता, ऐलकोहॉलिक, फिनॉलिक (-OH) एल्डीहाइड (-CHO), कीटोनिक (C=O), कार्बोक्सिलिक (-COOH), एमीनो (प्राथमिक समूह)

(ग) शुद्ध अवस्था में कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीनों की दिये गये खाद्य पदार्थ में उपस्थिति की जाँच करना।

आन्तरिक मूल्यांकन का पाठ्यक्रम—

(क) अकार्बनिक यौगिकों का विरचन—

(1) द्विक-लवण निर्माण—फेरस अमोनियम सल्फेट अथवा पोटेश एलम (फिटकरी)

(2) पोटेशियम फेरिक आक्सलेट का निर्माण

प्रोजेक्ट— आन्तरिक मूल्यांकन

अन्य स्रोतों सहित प्रयोगशाला परीक्षण आधारित वैज्ञानिक अन्वेषण—

(1) अमरूद फल में पकने की विभिन्न स्तरों पर आक्सलेट आयनों की उपस्थिति का अध्ययन करना।

(2) दूध के विभिन्न प्रतिदर्शों में केसीन की मात्रा का पता लगाना।

(3) दही निर्माण तथा इस पर तापक्रम के प्रभाव के सन्दर्भ में सोयाबीन दूध और प्राकृतिक दूध की तुलना करना।

- (4) विभिन्न दशाओं में खाद्य पदार्थ परिरक्षण के रूप में पोटेशियम बाइसल्फेट के प्रभाव का अध्ययन (तापक्रम, सान्द्रण और समय आदि दशाओं के प्रभाव का अध्ययन)।
 - (5) सेलाइवा-एमाइलेज के स्टार्च पाचन में ताप का प्रभाव तथा pH के प्रभाव के संदर्भ में अध्ययन।
 - (6) गेहूँ आटा, चना आटा, आलू रस, गाजर रस आदि पदार्थों पर किण्डवन दर का तुलनात्मक अध्ययन।
 - (7) सौंफ, अजवाइन, इलायची में उपस्थित तेलों का निष्कर्षण।
 - (8) वसा, तेल मक्खन, शक्कर, हल्दी, मिर्च आदि पदार्थों में सामान्य खाद्य मिलावट वाले पदार्थों का अध्ययन।
- नोट— लगभग दस कालखण्डों का समय लगाने वाले अन्य शोध प्रोजेक्ट्स पर शिक्षक द्वारा अनुमति देने पर चयन किया जा सकेगा।